

# का मजिस्ट्रेट एवं उपखण्ड अधिकारी, महवा

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुक्म की तामील  
में जारी हुए

बनाम श्री लाल

मु. सं.

आज पत्रावली पेश हुई। वकील प्राची  
उपस्थित आपसे पत्रावली में आदेश लेना  
गया। प्राची के प्राथमिक पत्र का  
अन्वय निम्नप्रमाण अन्वय धारा 212  
RTI के संशय तब इस प्रकार है  
कि प्राची द्वारा प्राथमिक पत्र अपनी  
अपराधीता के साथ गड सरणा 2 में  
वर्गित सद्व्यवसायी की शक्ति के तत्काल  
के डोके के साथ इस आदेश आशय  
से पेश कि है कि प्राची का गड  
सरणा 2 में वर्गित शक्ति में से  
आराजी थ. नं 289 पर काबू बंद  
के आदेश पर सरणा है एका प्राची  
द्वारा आराजी थ. नं 289 में  
सद्व्यवसाय व पेशवादी इलाजि बना गया  
है लेकिन अपराधीता 289 के लिए  
आराजी थ. नं 288 में से दोकर  
विकल्प के साथ शक्ति में व्यवधान पेश  
करते हैं एका शक्ति गड सरणा  
2 में वर्गित आराजी का बंद  
करवाने के लिए भी अपराधीता सद्व्यव  
नदी है एका प्राची के कले-सद्व्यव  
में व्यवधान - तदनुसार कले की  
शक्ति देते हैं एका 289 के लिए

# न्यायालय उपजिला मजिस्ट्रेट एवं उपख

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्य जज ..... बनाम ..... मु. सं.
------------	--

काराजी मे जमी' के हिस्से 1/2 तक  
 जमी' के रूपे - साक्ष मे मजादत -  
 मजादत पेटा न रहे | 1872 काराजी  
 से. न. 289 के लिए जाने वाले शर्त  
 मे व्यवधान पेटा न रहे नहि अत  
 मुक्ति का बंधन रहे

जमी' के जमाना पत्र को  
 पूर्ण रूप से अजायीगवा को नोपिस जारी  
 किया गया | अजायीगवा कायफुज तामील  
 इयास्थित नही आये अतः उनके खिलाफ  
 एकपक्षीय कार्यवाही आगम मे जारी  
 गई | जमी' की एकपक्षीय कदम मुनी  
 गई | जमी' ने अपनी कदम मे  
 जमाना पत्र के तल्पो को दोहराया |

जमी' के जमाना पत्र व  
 जमाना पत्र के साथ पेटा विवादित  
 काराजी की जमाना की अवलाकन  
 व जमी' वकील द्वारा की गई कदम  
 का भवन करने के पश्चात निष्कर्ष  
 यह है कि जमी' विवादित कृषि  
 मे 1/2 का सहवातेडाल है एवम

जमी' के रूपे - साक्ष मे अजायीगवा  
 द्वारा इकल देने व जमी' द्वारा  
 अपने लिए बनाये इकल के लिए  
 शर्त मे व्यवधान मे जमी' ने

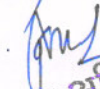
# मजिस्ट्रेट एवं उपखण्ड अधिकारी, महवा

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्य जज  
 बनाम

नम्बर व तारीख  
 अहकाम जो इस  
 हुक्म की तामील  
 में जारी हुए

मु. सं.

अनुमति की जायी के पत्र में है। अतः  
 आयाजीविका के विवादिन आयाजी पत्र  
 191/0.27, 192/0.26, 193/0.70, 194/0.42,  
 281/0.22, 282/0.30, 283/0.13, 284/0.13  
 285/0.24, 286/0.34, 287/0.26, 288/  
 0.13, 289/0.26, 290/0.01 कुल क्रिमा  
 14 रकबा 3.67 है। वकि ग्राम मुडकोडी  
 में जायी के हिले 1/2 में बाधा उपपन्न  
 नही करने व जायी के आयाजी पत्र  
 289 में निर्मित रहवास के लिए आयाजी  
 पत्र 281 व 282 में निर्मित रास्ते  
 में कोई रूकावट पैदा करने के लिए  
 डाके के निस्तारण तक पाबन्द किया  
 जाता है। निर्माण शुभे व्यक्तियों में  
 सुनाया गया पत्रावली केवल शुभाल  
 होकर दाखिल इस्तर हो

  
 उपखण्ड अधिकारी  
 महवा जिला दोसा